JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

अनुक्रमांक : ..... केन्द्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग

संकलित मूल्यांकन–1, 2016–17

कक्षा – नवीं

क्रम सं० 4612

हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ)

समय – 3 घंटे] [पूर्णांक – 90

सामान्य निर्देश–

I. इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं– क, ख, ग और घ ।

II. चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

III. यथासंभव प्रत्येक प्रश्न का उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चुनाव कीजिए – 1×5=5

आत्मनिर्भरता का अर्थ है - समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना । व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना आत्मनिर्भरता का प्रतीक है । स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है । सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए । स्वावलंबन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है । स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है तथा सर्वांगीण उन्नति का आधार है । जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके । स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, तो वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा । स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता । वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है । सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है । जिस व्यक्ति को स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगा ? परंतु इसके विपरित जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा । वह जो करेगा, सोच-समझ कर धैर्य से करेगा । मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है । सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य का आत्मनिर्भरता

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

है । आत्मनिर्भरता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है । स्वावलंबी मनुष्य को अपने आप पर विश्वास होता है, जिससे वह किसी के भी कहने में नहीं आ सकता । यदि हमें कोई काम सुधारना है, तो हमें किसी के अधीन नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे स्वयं करना चाहिए । एकलव्य स्वयं के प्रयास से धनुर्विद्या में प्रवीण बना । निपट गरीब विद्यार्थी लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने ।

(i) लेखक ने आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ बताया है ?

(क) आत्मा पर निर्भर करना

(ख) परिजनों पर निर्भर करना

(ग) स्वयं, समाज व राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना

(घ) देश पर निर्भर करना

(ii) लेखक ने सर्वांगीण उन्नति का आधार किसे कहा है ?

(क) खूब खेलना (ख) खूब पढ़ना

(ग) स्वावलंबी होना (घ) परिश्रम करना

(iii) स्वावलंबी मनुष्य की दासी कौन है ?

(क) असफलता (ख) सफलता

(ग) प्रबलता (घ) निडरता

(iv) एकलव्य ने किस कार्य में निपुणता हासिल की ?

(क) धनुर्विद्या (ख) तलवारबाजी

(ग) भाला फेंकना (घ) लाठी चलाना

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक है –

(क) सफलता (ख) आत्मविश्वास

(ग) आत्मनियंत्रण (घ) आत्मनिर्भरता

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चुनाव कीजिए – 1×5=5

मौसम में बदलाव और भीषण बीमारियों के फैलने से वैज्ञानिकों ने चिंतित होकर खोज की, तो उन्हें प्रदूषण ही उसका एकमात्र कारण ज्ञात हुआ । प्रदूषण की यह समस्या विश्वव्यापी है । विकसित देशों में बड़े पैमाने पर कल-कारखाने और तेज वाहनों के कारण प्रदूषण बढ़ता जा रहा है । इसलिए विश्व के सभी देश मिल-जूल कर प्रयत्न कर रहे हैं कि जितनी जल्दी हो सके प्रदूषण को नियंत्रित किया जाए । बढ़ते हुए प्रदूषण पर नियंत्रण पाने का मतलब यह कदापि नहीं है कि हम कल-कारखानों को बंद कर दें, यातायात के साधनों का उपयोग न करें और पाषाण युग में लौट जाएँ, विज्ञान के चमत्कारों और प्रौद्योगिकी की करामातों को ताक पर रख दें । वास्तव में समस्या का हल निरंतर हो रहे विकास को रोकने में नहीं, बल्कि युक्तिसंगत समाधान खोजने में है । इसके लिए हम प्रकृति से तालमेल रखें । अपनी धरती को हरा-भरा बनाए रखें । यह प्रयास करें कि प्रकृति का भंडार भरा रहे । हमारा पर्यावरण हमारा रक्षा-कवच है । यह हमें प्रकृति से विरासत में मिला है । यह हम सबका पालनकर्ता और जीवन का आधार है । वस्तुत: पर्यावरण-रक्षण भारतीय संस्कृति से जुड़ा है । पेड़-पौधे और जानवर हमारे मित्र हैं । बड़े-बड़े बाग-बगीचों और पार्कों को 'शहर का फेफड़ा' कहा जाता है । हमारी संस्कृति में पेड़ लगाना पुण्य कार्य माना जाता है । पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, आँवला जैसे उपयोगी वृक्षों के रोपण को महान धार्मिक कृत्य माना गया है । ये कार्य प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति हमारी आस्था प्रकट करते हैं । पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सबसे अधिक आवश्यकता इस बात की है कि प्रदूषण कार्यों को रोका जाए । सरकारी स्तर पर इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त पर्यावरण-प्रदूषण को रोकने में हम स्वयं भी सहयोग दे सकते हैं । हम गंदगी न फैलाएँ और दूसरा यह कि जहाँ गंदगी हो, उसे साफ करने में सहयोग दें । वृक्षों की टहनियों को न तोड़ें, साथ ही अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ ।

(i) लेखक के अनुसार विकसित देशों में प्रदूषण के क्या कारण हो सकते हैं ?

(क) मौसम का बदलाव; बीमारियाँ (ख) बीमारियाँ, गंदगी

(ग) तेज वाहन, मौसम का बदलाव (घ) तेज वाहन, कल-कारखाने

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(ii) प्रदूषण पर नियंत्रण कैसे पाया जा सकता है ?

(क) कल-कारखाने बंद करवाकर

(ख) यातायात के साधनों का प्रयोग न करके

(ग) युक्तिसंगत समाधान खोजकर

(घ) विज्ञान के चमत्कार पर रोक लगाकर

(iii) मानव को प्रकृति से विरासत में क्या मिला है ?

(क) पेड़-पौधे (ख) हमारा पर्यावरण

(ग) जीव-जन्तु (घ) पशु-पक्षी

(iv) पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में मानव किस प्रकार सहयोग दे सकता है ?

(क) गंदगी न फैलाकर (ख) गंदगी होने पर उसे साफ करके

(ग) अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर (घ) सभी विकल्प सही है ।

(v) 'प्रदूषण' में उपसर्ग और मूल शब्द का रूप है –

(क) प्र + दूषण (ख) प्रद + एषण

(ग) प्रदू + षण (घ) प्रदूष + अण

3. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चुनाव कीजिए । 1×5=5

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवें बना ।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना ॥
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना ।
है कठिन कुछ भी नही जिनके है जी में यह ठना ॥
कोस कितने ही चलें पर वे कभी थकते नहीं ।

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं ।।

संकटों से वीर घबराते नहीं, आपदाएँ देख छिप जाते नहीं ।

लग गए जिस काम में पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं ।।

हो सरल या कठिन हो रास्ता, कर्मवीरों को न इससे वास्ता ।

बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले, कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले ।।

(i) प्रस्तुत काव्यांश में किसका वर्णन है ?

(क) परिश्रमी मानव का (ख) आलसी मानव का

(ग) चिलचिलाती धूप (घ) चाँदनी रात

(ii) चिलचिलाती धूप को चाँदनी बनाने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) दिन को रात बनाना (ख) जादू का प्रयोग करना

(ग) कठिन को सरल बनाना (घ) सूर्य को चंद्रमा बनाना

(iii) 'हँस-हँस कर लोहे के चने चबाना' कविता में किस अर्थ में प्रयोग हुआ है ?

(क) चने के दाने चबाना (ख) असंभव को संभव बनाना

(ग) लोहा चबाना (घ) लोहार का कार्य करना

(iv) परिश्रमी जन कौन-सी गाँठ खोल लेते हैं ?

(क) कपड़े पर लगी गाँठ (ख) दुपट्टे पर लगी गाँठ

(ग) मन को लगी गाँठ (घ) विपरित परिस्थितियों को अनुकूल बनाना

(v) असंभव को संभव बनाने के लिए गुण की आवश्यकता होती है ?

(क) सुंदरता की (ख) अच्छाई की

(ग) परिश्रम की (घ) भलाई की

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चुनाव कीजिए । 1×5=5

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो, एक बार ही मरता है ।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे ।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।
स्वातंत्र्य जाति की लगन, व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है ।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।
वीरत्व छोड़, मत पर का चरण गहो रे ।
जो पड़े आन, खुद ही सब आन सहो रे ।
दासत्व जहाँ है, वहीं स्तब्ध जीवन है,
स्वातंत्र्य निरंतर समर, सनातन रण है ।
स्वातंत्र्य समस्या नहीं आज या कल की,
जागृति तीव्र यह घड़ी-घड़ी पल-पल की ।
पहरे पर चारों ओर सतर्क लगो रे ।
धर धनुष-बाण उद्यत दिन-रात जगो रे ॥

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(i) प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम से कवि क्या प्रेरणा देना चाहता है ?

(क) अत्याचारी न बनने का (ख) स्वाभिमानी बनने का

(ग) अन्यायी न बनने का (घ) बलिदानी बनने का

(ii) कवि के अनुसार मरने से क्यों नहीं डरना चाहिए ?

(क) मरने के बाद सुख मिलता है ।

(ख) एक दिन मृत्यु आनी है ।

(ग) निडर होने से मृत्यु नहीं आती ।

(घ) मरने के बाद कुछ महसूस नहीं होता ।

(iii) संसार में कौन-सी जाति स्वतंत्र रहती है ?

(क) जिसे कोई पकड़ नहीं सकता

(ख) जो जाति डरकर रहती है ।

(ग) जिसकी धुन स्वतंत्र रहना हो

(घ) जो जाति दूसरों पर अत्याचार करती है ।

(iv) 'अन्याय' और 'आकाश' के लिए कविता में कौन-कौन से शब्द प्रयोग हुए हैं ?

(क) अनय और व्योम (ख) आन और अशनि

(ग) स्वातंत्र्य और आम (घ) दासत्व और व्योम

(v) प्रस्तुत काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा ?

(क) परतंत्र जीवन (ख) स्वतंत्र जीवन

(ग) सांसारिक जीवन (घ) आध्यात्मिक जीवन

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

खण्ड–ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । 1×4=4

(i) 'प्रत्येक' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग तथा मूल शब्द लिखिए ।

(ii) 'आ' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए ।

(iii) 'वास्तविक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय तथा मूल शब्द लिखिए ।

(iv) 'इत' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए ।

6. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करके समास का भेद लिखिए । 1×3=3

रसोईघर, दिन-रात, चौराहा ।

7. (क) अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए । 1×2=2

(i) मैं कल मुंबई गया था ।

(ii) यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए । 1×2=2

(i) रमेश कहानी लिख रहा है । (निषेधवाचक वाक्य में बदलिए)

(ii) पुलिस को देखते ही चोर भाग गए । (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

8. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए । 1×4=4

(i) चारु चंद्र की चंचल किरणें ।

(ii) चरण-कमल बंदौ हरिराई

(iii) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

(iv) "कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।
वा ताए बौराय जग, या पाए बौराय ।।"

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

खण्ड–ग

9. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चुनाव कीजिए । 1×5=5

धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है । एक नयी जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है । उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन । उत्पादन बढ़ाने पर जोर है चारों ओर । यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है । 'सुख' की व्याख्या बदल गई है । उपभोग-भोग ही सुख है । एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में । उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पादन को समर्पित होते जा रहे हैं ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में किस नए दर्शन की चर्चा है ?

(क) पश्चिमी दर्शन (ख) पाश्चात्य दर्शन

(ग) उपभोक्तावाद-दर्शन (घ) बाजार दर्शन

(ii) नए दर्शन के अंतर्गत किस चीज पर अत्याधिक बल दिया गया है ?

(क) खाने-पीने पर (ख) उत्पादन बढ़ाने पर

(ग) वस्त्र खरीदने पर (घ) बाजार जाने पर

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में सुख की व्याख्या किस रूप में की गई है ?

(क) बाजार के रूप में (ख) आराम से रहने के रूप में

(ग) दर्शन के रूप में (घ) उपभोग-भोग के रूप में

(iv) हमारे चरित्र में कैसा परिवर्तन हो रहा है ?

(क) हम नैतिकता खो चुके हैं (ख) हम आदिम युग में जा रहे हैं

(ग) हम उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं (घ) हम अंधविश्वासी हो रहे हैं

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(v) धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है । वाक्य में रेखांकित शब्द क्या है ?

(क) क्रियाविशेषण (ख) संज्ञा

(ग) विशेषण (घ) सर्वनाम

अथवा

जानवरों में गधा सबसे बुद्धिहीन समझा जाता है । हम जब किसी आदमी को पहले दरजे का बेवकूफ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं । गधा सचमुच बेवकूफ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता । गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है । कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किन्तु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा । जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी । वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा । उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है ।

(i) जानवरों में किसे सबसे बुद्धिहीन समझा जाता है ?

(क) गाय (ख) गधा

(ग) कुत्ता (घ) घोड़ा

(ii) गधे की कौन-सी विशेषता अन्य पशुओं से अलग है ?

(क) उसकी सहिष्णुता (ख) उसकी पूंछ

(ग) उसका रंग (घ) उसकी बुद्धि

(iii) हम किसी को 'गधे' की संज्ञा कब देते हैं ?

(क) बुद्धिमानी के कार्य के लिए (ख) गाली देने के लिए

(ग) मूर्ख बताने के लिए (घ) प्रशंसा करने के लिए

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(iv) गधा किस महीने में एकाध बार कुलेल कर लेता है ?

(क) चैत्र (ख) सावन

(ग) कार्तिक (घ) वैशाख

(v) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम है –

(क) यशपाल (ख) प्रेमचंद

(ग) यतींद्र मिश्र (घ) महादेवी वर्मा

प्रति + एक

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 2×5=10

(i) गाँधी जी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है ?

(ii) उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था ?

(iii) लेखक ने तिब्बत यात्रा किस वेश में की और क्यों ?

(iv) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया ?

(v) सालिम अली को 'बर्ड वाचर' क्यों कहा गया है ?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1×5=5

रोमांचित सी लगती वसुधा
आई जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली !
उड़ती भीनी तैलाक्त गंध
फूली सरसों पीली पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

नीलम की कलि, तीसी नीली !

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए ।

(ii) कवि को पृथ्वी रोमांचित सी कब लगती है ?

(iii) सोने जैसी करधनियाँ किसकी है ?

(iv) हवा में तैलाक्त गंध किसकी आ रही है ?

(v) नीली तीसी की तुलना किससे की गई है ?

अथवा

मोकों कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में ।

ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ।

ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में ।

खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में ।

कहैं कबीर सुनौं भाई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में ॥

(i) मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ खोजता है ?

(ii) 'क्रिया-कर्म' किसे कहा गया है ?

(iii) कवि ने ईश्वर का वास कहाँ बताया है ?

(iv) कवि ने ईश्वर प्राप्ति का क्या उपाय बताया है ?

(v) यहाँ 'मोकों' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए । 2×5=10

(i) किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों ?

(ii) कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी ?

(iii) ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है ?

(iv) बंद द्वारा साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है ?

(v) कवयित्री द्वार मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं ?

13. बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस तरह की तैयारी करने लगे ? बाढ़ से निपटने के लिए अपनी ओर से कुछ सुझाव दीजिए । 5

अथवा

'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है' इस दिशा में लेखिका ने क्या प्रयास किया तथा सरकारी स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड–घ

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं का आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए । 10

(i) **भ्रष्टाचार**

संकेत बिंदु – भूमिका, भ्रष्टाचार के कारण, राष्ट्र की प्रगति में बाधक, समाधान, उपसंहार ।

(ii) **पर्यावरण प्रदूषण**

संकेत बिंदु – भूमिका, प्रदूषण के प्रकार, कारण, हानियाँ, रोकथाम के उपाय, उपसंहार ।

(iii) **जनसंख्या वृद्धि**

संकेत बिंदु – भूमिका, जनसंख्या वृद्धि के कारण, हानियाँ, समाधान, उपसंहार ।

15. अपने नगर के जलापूर्ति अधिकारी को पर्याप्त और नियमित रूप से पानी न मिलने की शिकायत करते हुए पत्र लिखिए । 5

अथवा

विद्यालय के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में पुरस्कार-प्राप्ति की प्रसन्नता का वर्णन करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए ।

16. आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ । उस पर प्रतिवेदन लिखिए । 5